भोले देने वाले हैं

भोले देने वाले हैं, हम लेने वाले हैं ॥
*द्वार, ख़ाली हाथ नहीं जाना ॥,
जिसे चाहिए ॥, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना ॥
(जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना)
भोले देने वाले हैं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

रोज़ रोज़ मांगने की, आदत ही छोड़ दो ।
जिस को जितना चाहिए, वो भोले से बोल दो* ।
^सावन का महीना है, कावड़ का महीना है ॥
*कावड़ियो न, शर्माना,
जिसे चाहिए ॥, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना ॥
(जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना)
भोले देने वाले हैं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मीलों मील चलके जो, द्वारे पे आता ।
सदा डमरु वाले को, कावड़िया भाता* ।
^कावड़ ले के जाना है, झोली भरके आना है ॥
*थोड़ा सा, कष्ट उठाना,
जिसे चाहिए ॥, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना ॥
भोले देने वाले हैं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

हाथ मे ना आए तो, झोली पसार ले ।
खुल्ला खज़ाना है, भोले के द्वार पे* ।
^झोली भर जाए तो, काम बन जाए तो ॥
*कावड़ियो, बोल बम गाना,
जिसे चाहिए ॥, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना ॥
(जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना)
भोले देने वाले हैं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

छोटी बड़ी कावड़ का, मोल नहीं आंकते ।
भक्तों की भक्ति के, भाव को है मानते* ।
^भोले को मनाना है, गंगा जल लाना है ॥
*मौका यह, चूक नहीं जाना,
जिसे चाहिए ॥, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना ॥

(जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना, उठाना,
जिसे चाहिए, वो कावड़ उठाना)
भोले देने वाले हैं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26362/title/bhole-dene-wale-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |